पॉलिटेक्निक डिप्लोमा को एआईसीटीई की मान्यता

गंगरार | मेवाड़ विश्विद्यालय में संचालित तीन वर्षीय पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कोर्स को आल इंडिया कौंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन ने मान्यता दी है। इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक, सिविल, कंप्यूटर साइंस, माइनिंग संकाय को पहले से एआईसीटीई की मान्यता है। कुछ समय पहले निरीक्षण के लिए आई टीम नें यहां उपलब्ध संसाधनों व फेकल्टी की प्रशंसा की थी।

एआईसीटीई की मान्यता मिली

चित्तौड़गढ़. मेवाड़ विश्विद्यालय द्वारा संचालित त्रिवर्षीय पॉलीटेक्निक डिप्लोमा कोर्स को आल इंडिया कॉउन्सिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन द्वारा मान्यता प्रदान दी गई है। विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिकल, मैकैनिकल, इलेक्ट्रॉनिक, सिविल, कंप्यूटर साइंस, माइनिंग संकायों मे पॉलीटेक्निक डिप्लोमा कोर्स संचालित करता है। गहन अध्धयन एवं औद्योगिक इकाइयों के मापदंडों मुताबिक कुशल श्रमशक्ति तैयार करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम का गठन किया गया है।

मेवाड़ विवि में पॉलीटेक्निक डिप्लोमा को मान्यता

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित त्रिवर्षीय पॉलीटेक्निक डिप्लोमा कोर्स को आल इंडिया कॉउन्सिल ऑफ टेक्निकल एज्यूकेशन द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिकल, मेकैनिकल, इलेक्ट्रॉनिक, सिविल, कंप्यूटर साइंस, माइनिंग संकायों मे पॉलीटेक्निक डिप्लोमा कोर्स संचालित करता है। गहन अध्ययन एवं औद्योगिक इकाइयों के मापदंडो मुताबिक कुशल श्रमशक्ति तैयार करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम का गठन इस प्रकार किया गया है कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ साथ प्रौद्योगिक ज्ञान भी मिल सके। कोर्स के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी को लघु प्रशिक्षण के लिए ए. टी.आई., सी.टी.आर. लुधियाना, सी.आई.डी.सी. नई दिल्ली, नेक हैदराबाद जैसे विख्यात केंद्रो पर भेजा जाता है। तत्पश्चात कोर्स के अंतिम सेमेस्टर मे विद्यार्थियों को प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न राज्यों मे स्थित विशाल प्रोडक्शन कंपनियों मे भेजा जाता है जहां प्रारम्भ में उचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर ये विद्यार्थी अपनी कुशलता से प्रशिक्षण के अवसर को रोजगार मे परिवर्तित कर लेता हैं।